'चीनी उत्पादन 230 लाख टन संभव'

सरकार ने कहा- फुटकर में चीनी महंगी होने की आशंका नहीं

प्रेट्र • नई दिल्ली

पिछले अक्टूबर से शुरू हुए मार्केटिंग वर्ष 2012-13 के दौरान देश में चीनी का उत्पादन घटकर 230 लाख टन रहने का अनुमान है। खाद्य मंत्री के. वी. थॉमस ने लोकसभा में बताया कि इस साल मानसूनी बारिश कम होने के कारण महाराष्ट्र व कर्नाटक में सूखे के हालात होने से उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

पिछले मार्केटिंग वर्ष 2011-12 के दौरान भारत में 262 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। जबकि देश में चीनी की सालाना खपत करीब 220 लाख टन रहती है। उन्होंने बताया कि इस साल कम बारिश होने के कारण महाराष्ट्र व कर्नाटक में गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है। इससे चीनी का उत्पादन कम रह सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि उत्पादन घटने से चीनी के फुटकर मूल्य बढ़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में चीनी का उत्पादन खपत के मुकाबले ज्यादा रहेगा। लेकिन थॉमस ने यह भी कहा कि चीनी के मूल्य पर इसकी उपलब्धता, मांग, वैश्विक कीमत और मार्केट सेंटीमेंट जैसे कारकों का प्रभाव पड़ता है। थॉमस के अनुसार पिछले माह तक देश में चीनी का औसत फुटकर मूल्य 35.65 रुपये प्रति किलो रहा।

दक्षिण-पश्चिम मानसून में देरी होने से इस साल खरीफ सीजन की फसलों की बुवाई में देरी हुई। खरीफ फसल में गन्ने की भी खेती प्रभावित हुई। मंत्री ने बताया कि विभिन्न राज्यों में गन्ने की पेराई शुरू हो चुकी है। सिर्फ उत्तराखंड में पेराई शुरू नहीं हो पाई है। इस राज्य का चीनी के कुल उत्पादन में योगदान नगण्य है।

उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुसार चालू सीजन के पहले दो माह यानि अक्टूबर व नवंबर में चीनी का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले थोड़ा कम 23.30 लाख टन रहा। पिछले साल इन दो महीनों में 23.92 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस्मा के अनुसार प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में इस साल पेराई देरी से शुरू होने की वजह से उत्पादन में कमी आई है।